卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 256 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦23 जून 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

घुसपैठ की कोशिश करते चार आतंकी ढेर

जम्मू कश्मीर(उद ब्यूरो)। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। जिले के माच्छिल सेक्टर के काला जंगल में सुरक्षाबलों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया है। कश्मीर जोन पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जानकारी देते हुए बताया कि एक संयुक्त ऑपरेशन में सेना और पुलिस ने कुपवाड़ा के माच्छिल सेक्टर के काला जंगल में चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। आतंकी पीओजेके से भारतीय सीमा की तरफ घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान सुरक्षाबलों ने उन्हें ढेर कर दिया। सुरक्षाबलों ने संबंधित इलाके को घेर लिया है। अभी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इससे पहले 16 जून शुक्रवार को भी कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया गया था। शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने पांच पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया था। नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर रातभर चली मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सेना के अधिकारी गिरीश कालिया ने बताया कि एलओसी पर जमागुंड इलाके में घुस पैठ की सूचना पर (शेष पृष्ठ सात पर)

घर के अंदर महिला का शव मिलने से सनसनी

रामनगर(उद संवाददाता)। रामनगर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सांवल्दे पश्चिम क्षेत्र में एक महिला का संदिग्ध परिस्थितियों में अपने ही घर में शव मिलने के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस

ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि उक्त गांव में रहने वाली 45 वर्षीय सोमवती नामक महिला का शव उसी के घर में एक कमरे में उसके पति व पुत्र ने देखा जिसके बाद परिजनों में हड़कंप मचा और उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी। कोतवाल ने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए मामले की जानकारी जुटाना शुरू कर दी है। कोतवाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला फांसी लगाने का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा तथा परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

गुरू मां
उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन
गर्मियों में ठंड जैसी राहत
गुरू मां
36 महीने तक की EMI उपलब्ध
Budget Ac
Premium Split Ac
Mid-Range Split Ac
Heavy-Duty Split Ac
Easy EMI Options Available
SONY Whirlpool SAMSUNG IFB Haier BOSCH VOLTAS
DAIKIN HITACHI MITSUBISHI ELECTRIC GENERAL LLOYD BLUE STAR
Refrigerator की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Deep Freezer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RO Purifier की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Water Dispencer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Air Cooler की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RUDRAPUR- Civil Line +91-9927882338, Kashipur Bypass +91-9690282777 , Kashipur Bypass +91-9756233166 , Sony Center +91-9917170230 KASHIPUR- Ramnagar Road +91 8791989500, Cheema Chauraha +91 9927813555 HALDWANI- Tikonia +91-9997207007, Pilikothi +91-8923468434, Pilikothi +91-9690256666, HARIDWAR- Haridwar +91-9761699704 MORADABAD- Moradabad +91-7500839146, GADARPUR- Near Super Market +91-9927850999, KICHHA- Kichha +91-7017595920, LOHAGHAT- Daak Bangla Road +91-9568035735 DEHRADUN- Kaluagarh Road +91-8394949454 PANIPAT- West Market Opp. Central Bank +91-8607964000 KARNAL-Mangal Singh Market +91-8684077000 , 49 Ram Nagar +91-8908350000

लाखों की लिप्टिस की लकड़ी बरामद,दो गिरफ्तार

लापरवाही बरतने पर एक संविदा कर्मी को ड्यूटी से हटाया

रामनगर(उद संवाददाता)।शुक्रवार की सुबह रामनगर वन प्रभाग की कोसी रेंज के अंतर्गत तैनात वन कर्मियों ने बैलगढ चौकी पर चेकिंग के दौरान लिपटिस की लकड़ी से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली को रोकने का प्रयास किया लेकिन वाहन चालक मौके से तेज रफ्तार कर वाहन को दौड़ा कर ले गया जिसके बाद वन कर्मियों ने इस वाहन का पीछा करते हुए उसे शिवलालपुर चुंगी के समीप पकड़ लिया घटना के संबंध में रेंजर शेखर तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त ट्रैक्टर ट्राली में 100 गिल्टे लिप्टिस के बरामद किये हैं तथा मौके पर तस्करों की एक बाइक व दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। बरामद लकड़ी की कीमत एक लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में लापरवाही बरतने पर गेट पर (शेष पृष्ठ सात पर)

स्कूटी सवार मां बेटे पर बदमाशों ने किया हमला

महिला की हालत गंभीर, नगदी, मोबाइल और सोने की चेन लूटी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। बीती रात काशीपुर रोड पर बाइक सवार बदमाशों ने स्कूटी सवार मां बेटे पर हमला कर दिया। हमले में मां बेटे सड़क पर गिर गये। हमलावर महिला के हाथ से पर्स लूट कर भाग गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही। परिजनों ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। जानकारी के मुताबिक एलायंस सिटी वन निवासी दीपांशु पुत्र तेज प्रकाश ने पुलिस को बताया कि गुरुवार की रात को उसका चचेरा भाई सुनील स्कूटी से मां कमलेश के साथ बुआ के घर भूतबंगला से अपने घर जा रहा। काशीपुर रोड फ्लाई ओवर के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने स्कूटी को साइड मारी और लोहे की राड से हमला कर दिया। हमले में महिला लहूलुहान हो गई और बेहोश हो गई। सुनील के भी चोटें आई। दीपांशु ने बताया कि कमलेश रानी के हाथ में पर्स था,जो बदमाश लूट कर ले गए। पर्स में मोबाइल, सोने की चेन और 6500 रुपए समेत अन्य सामान था। कमलेश को आवास विकास में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर है। आईसीयू में भर्ती हैं। परिजनों ने एसएसआई कमाल हसन ने बताया कि एसआई मुकेश मिश्रा को मौके पर जांच के लिए भेजा है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी थी। बताया जाता है कि तेज प्रकाश यूपी के जिला गाजीपुर में जिला कमांडेंट होमगार्ड के पद पर तैनात हैं।

फरार कैदी का चार दिन बाद भी नहीं लगा सुराग, नेपाल भागने की आशंका

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। काशीपुर से पुलिस कस्टडी से फरार एनडीपीएस का कैदी का चार दिन बाद भी सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा है। दोनों जनपदों की पुलिस टीमें उसकी खोज में यूपी समेत अन्य स्थानों पर तलाश रही है। बता दें कि चार दिन पहले अल्मोड़ा पुलिस एनडीपीएस एक्ट में जेल बंद कैदी को बिजनौर पेशी के लिए लेकर जा रही थी। कैदी ने लघुशंका के लिए वाहन को रुकवाया था। इसी बीच कैदी मौका देख हथकड़ी समेत फरार हो गया। पुलिस कस्टडी से कैदी के फरार होने पर सूचना पर पुलिस में हड़कंप मच गया। कैदी की तलाश में ऊधम सिंह नगर पुलिस के साथ ही अल्मोड़ा पुलिस की टीमें तलाश में जुटी हुई है। लेकिन अभी तक कैदी पुलिस के हाथ नहीं लगा है। पुलिस सूत्रों की मानें तो कैदी की तलाश में जुटी पुलिस टीमों के पसीने छूट रहे। कैदी के नेपाल में भी भागने की आशंका जताई जा रही है। एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी ने बताया कि दोनों जनपदों की पुलिस कैदी की तलाश में जुटी हुई है। कैदी के रिश्तेदारों समेत अन्य जगहों पर दबिश दी जा रही है।

फाईनेंस कंपनी का कारनामा

लोन मिला नही फिर भी किश्त हो गयी चालू!

स्वीकृति लेटर जारी करने के बाद भी नहीं दिया ऋण,फाईनेंस कंपनी कर्मियों के खिलाफ तहरीर,धमकाने का भी आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।प्रोसेसिंग फीस लेकर सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी फाईनेंस कंपनी के लोग एक व्यवसायी को कई महीनों से ऋण दिलाने के नाम पर चक्कर कटवा रहे हैं। आलम यह है कि लोन का स्वीकृति पत्र देने के बाद भी आवेदक को स्वीकृत ऋण की धनराशि नहीं दी जा रही। आवेदक के पैरो तले उस समय जमीन खिसक गयी जब उसे पता चला कि लोन की रकम प्राप्त किये बिना ही उसकी किश्त शुरू हो गयी है। पीड़ित ने मामले में पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। मामला नैनीताल रोड स्थित वण्डर फाईनेंस कंपनी की शाखा से जुड़ा है। कंपनी के इस कार्यालय में वार्ड नं. 14 गुप्ता मार्केट किच्छा निवासी गौरव गुप्ता पुत्र स्व0 चन्द्र प्रकाश गुप्ता ने ऋण के लिए आवेदन किया था। गौरव गुप्ता द्वारा ट्रांजिट कैम्प थाने में दी गयी तहरीर के मुताबिक उसने 24 अप्रैल 2023 को ऋण के लिए आवेदन किया । फाइनेंस कम्पनी के शाखा प्रबन्धक व ऋण प्रबन्धक के कहने पर कंपनी के एक अधिकारी अरूण कुमार के खाते में उसे 2360 रूपये लॉग-इन- फीस दिनांक 25 अप्रैल 2023 को गूगल पे के माध्यम से भुगतान कर दी। इसके बाद लोन से संबंधित मांगे गये सभी दस्तावेज भी दे दिये। कंपनी के लोगों ने आश्वस्त किया ऋण 10 दिन में स्वीकृत हो जायेगा। सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए कंपनी में पंजाब नेशनल बैंक के 7 मूल चैक के साथ ही 5500 रूपये के स्टाम्प पेपर, आधार कार्ड पेन कार्ड, सहित अन्य जरूरी दस्तावेज भी जमा करा दिये गये। जिसके बाद 24 मई 2023 को को कंपनी के अधिकारी ने 8 लाख रूपये का ऋण स्वीकृत करते हुए स्वीकृति पत्र भी दे दिया। लेकिन खाते में धनराशि का आवंटन नहीं किया गया। जिसके लिए बार बार चक्कर लगाये गये। लेकिन कंपनी के (शेष पृष्ठ सात पर)

दान में मिला 230 किलो सोना,23 किलो में कैसे बदल गया ?

केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह की दीवारों पर सोने की प्लेट लगाने की उच्च स्तरीय जांच के आदेश

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माहरा ने कहा: बीकेटीसी कर रही करोड़ों हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़

देहरादून(उद ब्यूरो)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के बीच बाबा केदारनाथ धाम के गर्भगृह में आये दिन श्रद्धालुओं के मोबाईल लेकर प्रवेश करने के साथ ही वहां मंदिर के गर्भगृह को स्वर्णमंडित करने के लिये लगाये सोने की प्लेटों की गुणवत्ता को लेकर विवाद गहराता जा रहा है । वहीं अब इस मसले पर सत्तासीन भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस में बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। हालांकि कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने बीकेटीसी की देखरेख में दर्शन के दौरान यात्रियों से तस्वीरें खींचने पर अंकुश लगाने के

सख्त दिर्नेश दिये है साथ ही गर्भगृह को स्वर्णमंडित करने की उच्च स्तरीय जांच कराने के आदेश सचिव को दे दिये है। इधर बीकेटीसी अध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर हमला बोलते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा सत्ता के लिए वह करोड़ों हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं। आरोप लगाया कि मंदिर समिति को षड्यंत्र का केंद्र बना दिया गया है। दान में मिला 2.30 क्विंटल सोना, 23 किलो में कैसे बदल गया? इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पूछा कि मंदिर समिति के नाम पर दान एकत्र करने के लिए क्यूआर कोड (खाता नंबर) जारी किया गया था, जिसका मंदिर समिति ने बाद में खंडन किया। इसकी जांच की गई, लेकिन जांच में अब तक कुछ सामने नहीं आया। यह जांच सबके सामने लाई जानी चाहिए।माहरा ने कहा जनता जान चुकी है कि भाजपा ने सत्ता में बैठकर केवल लोगों की आस्था से खिलवाड़ किया है। देश के आम आदमी के दुख, दर्द और धार्मिक आस्था से उसका कोई सरोकार नहीं है। देश की जनता ने कर्नाटक से एक संदेश देने का काम किया है कि अब भाजपा की बांटो और राज करो की नीति आगे नहीं चलने वाली है। उन्होंने कि आम आदमी के लिए श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह में फोटो खींचना मना है, तो क्या मंदिर समिति के अध्यक्ष और भाजपा नेताओं ने कभी मंदिर के गर्भगृह में फोटोशूट नहीं किया। क्या देश के प्रधानमंत्री ने गर्भगृह में फोटोशूट नहीं कराया। यदि फोटोशूट किया तो क्या भाजपा के नेता, देश के आम आदमी से अलग हैं या हिंदुओं की आस्था के केंद्र उनकी निजी संपत्ति हैं, जिसका वे जब चाहें अपने वोट की राजनीति के लिए उपयोग कर सकते हैं।

धार्मिक आस्था, पवित्रता और महत्ता के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा : महाराज

देहरादून। उत्तराखंड सरकार के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह की दीवारों पर सोने की प्लेट को लेकर उठे विवाद की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने सचिव धर्मस्व हरिचंद्र सेमवाल को प्रकरण की जांच कर शीघ्र रिपोर्ट देने को कहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि मामले को अनावश्यक तूल देकर चारधाम के तीर्थों को विवाद में न डाला जाए। केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह की दीवारों में सोने की प्लेट को लेकर इस समय विवाद चल रही है। दीवारों पर चढ़ी

प्लेटों पर से सोने का पानी निकलने के बाद से ही इस पर विवाद शुरू हो गया। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल इस मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। इसे देखते हुए पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम की धार्मिक आस्था, पवित्रता और महत्ता के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। शीघ्र ही सच्चाई सबके सामने आए। जो कुछ भी जांच में आएगा, उसके आधार पर ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या आरोपों को सही नहीं कहा जा सकता। कारण यह कि जिस श्रद्धालु ने केदारनाथ मंदिर में सोना और तांबा दान किया, उसी ने वहां पूरा काम भी कराया है। इस कारण किसी भी प्रकार के गबन या भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं है।अब अफवाह फैलाई जा रही हैं और कुछ व्यक्ति सुव्यवस्थित व निर्बाध गति से चल रही चारधाम यात्रा को बदनाम करना चाहते हैं। विपक्ष भी इस मामले को अनावश्यक तूल देने का प्रयास कर राजनीतिक रोटियां सेक रहा है। इस कारण उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं ताकि दोषियों को सजा दी जा सके।

पीएम मोदी ने प्रेसिडेंट जो बाइडन को भेंट किया उत्तराखंड का 'बासमती चावल'

देहरादून(उद ब्यूरो)। पीएम नरेंद्र मोदी इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं। पीएम मोदी का ये दौरा उत्तराखंड के लिए खास हो गया। पीएम ने इस मौके पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन से मुलाकात की और उनको तोहफे दिए। बासमती चावल के लिए प्रसिद्ध उत्तराखंड के लंबे चावल की खुशबू अमेरिका में महक रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर एक संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड में उत्पादित प्रसिद्ध लंबे दाने वाले चावल को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को उपहार में भेंट किए। पीएम का प्रदेश के प्रति विशेष लगाव है। उन्होंने प्रदेश के चावल को विश्व पटल पर नई पहचान दी है, जिससे यहां किसान गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि पीएम ने प्रेसिडेंट जो बाईडेन को हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में उत्पादित पूसा 1121 किस्म का लंबा चावल भेंट किया है। इस चावल की लंबाई 8.1 एमएम है। जो अन्य चावलों की तुलना में लंबा है। प्रदेश में खरीफ और जायद में कुल 2.49 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती होती है।

देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर प्रमुख धान उत्पादक जिले हैं। देहरादून का बासमती चावल काफी प्रसिद्ध है। अमेरिका दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी को अलग-अलग राज्यों से 10 उपहार भेंट किए, जिसमें उत्तराखंड का लंबा चावल भी शामिल हैं। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में धान की पूसा 1121 किस्म की खेती होती है। इस धान से 8.1 एमएम का चावल तैयार होता है। इस चावल को आमतौर पर बिरयानी राइस में इस्तेमाल किया जाता है। पीएम मोदी ने जिल बाइडन को 7.5 कैरेट का हरा हीरा दिया, जिसे कार-ए-कलमदानी नाम से जाना जाता है। मैसूर के चंदन से बना डिब्बा गिफ्ट किया, जिसे जयपुर के शिल्पकारों ने तैयार किया है। बॉक्स के अंदर भगवान गणेश की मूर्ति है, जिसे कोलकाता के चांदी कारीगरों ने हस्तनिर्मित किया है। साथ ही चांदी का दीया, चांदी का सिक्का, रौप्य दान, लवंदन, चांदी का नारियल, तिल, सोने का सिक्का दिया पंजाब का घी, झारखंड का टसर रेशम का कपड़ा, महाराष्ट्र का गुड़ भी भेंट किया।

25-26 जून से उत्तराखंड पहुंचेगा मानसून छह जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है। ज्यादातर क्षेत्रों में बादल मंडरा रहे हैं। देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में भारी वर्षा दर्ज की गई। जबकि, पर्वतीय क्षेत्रों में भी कहीं-कहीं हल्की वर्षा हुई। शुक्रवार तड़के देहरादून में बारिश हुई। वहीं ऋषिकेश में मूसलधार बारिश हुई। रुड़की शहर व आसपास के क्षेत्रों में बारिश होने से गर्मी से राहत मिली। चमोली में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने अगले चार दिन प्रदेश में कहीं-कहीं भारी वर्षा की चेतावनी दी है। शनिवार से देहरादून व नैनीताल समेत छह जिलों में भारी वर्षा व ओलावृष्टि को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा 25-26 जून को प्रदेश में मानसून दस्तक दे सकता है। प्रदेश में बीते दो दिन से बादलों का डेरा है। कहीं-कहीं वर्षा के दौर भी जारी हैं। गुरुवार को देहरादून, बागेश्वर, पिथौरागढ़ व नैनीताल में भारी वर्षा हुई। जिससे जन-जीवन प्रभावित हो गया। हालांकि, चारधाम समेत आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों में आंशिक बादल छाये रहे। आज भी प्रदेश के निचले क्षेत्रों में मौसम के करवट बदलने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार प्रदेश में प्री-मानसून शावर तेज हो गए हैं। शुक्रवार को प्रदेश में गरज-चमक के साथ कई स्थानों पर तीव्र बौछारों के एक

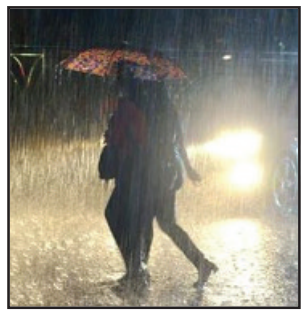

से दो दौर और झोंकेदार हवाएं चलने की आशंका है। इसे लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शनिवार से सोमवार तक प्रदेश में मौसम को लेकर रेड अलर्ट है। देहरादून, उत्तरकाशी, नैनीताल, टिहरी, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में भारी वर्षा हो सकती है। साथ ही कहीं-कहीं 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। आपदा की आशंका के चलते संबंधित जिलों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून उड़ीसा, बंगाल व झारखंड पहुंच चुका है। अगले तीन दिन में मानसून के छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड पहुंचने की संभावना है। उत्तराखंड में चंपावत व आसपास के क्षेत्रों में मानसून दस्तक दे सकता है। इसके बाद इसे पूरे प्रदेश में सक्रिय होने पर में एक से दो दिन का समय लग सकता है। दून में गुरुवार को तड़के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी के साथ वर्षा शुरू हुई। जबकि, सुबह करीब साढ़े सात बजे शहर के प्रमुख इलाकों में तीव्र बौछारों का क्रम शुरू हुआ और करीब दो घंटे तक चला। इसके बाद वर्षा कुछ हल्की हुई और दोपहर तक बारिश का दौर पूरी तरह थम गया। इस बीच दून में ओवरआल 64 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जो कि वर्ष 2017 में जून में एक दिन में हुई (177 मिमी) वर्षा के बाद सर्वाधिक है। इस दौरान करनपुर क्षेत्र में 52 मिमी, सहस्रधारा में 47, मोहकमपुर क्षेत्र में 41 मिमी वर्षा हुई।

केएमवीएन के नवनियुक्त एमडी तिवारी का किया स्वागत

कालापानी में आदि कैलाश यात्रियों ने किया पौधरोपण

पिथौरागढ़ (उद संवाददाता)। पर्यटक आवास गृह पिथौरागढ़ में कुमाऊं मंडल विकास निगम के नवनियुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप तिवारी के पहुंचने पर प्रबंधक दिनेश गुरु रानी के नेतृत्व में निगम कर्मचारियों ने स्मृति चिन्ह व पौधा देकर स्वागत किया। प्रबंध निदेशक द्वारा मानसरोवर यात्री वाटिका में पौधारोपण किया गया। जिसके पश्चात उन्होंने पर्यटक आवास गृह का स्थलीय निरीक्षण किया व आवास गृह के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आवास गृह के कमरों को और सुसज्जित किया जाएगा। प्रबंध निदेशक आदि कैलाश की यात्रा में जा रहे हैं। उनके द्वारा यात्रा मार्ग में पढ़ने वाले कुमाऊँ मंडल

विकास निगम के आवास गृहों का भी निरीक्षण किया जाएगा साथ ही मानसरोवर यात्रा के लिए नये ट्रेक रूट के बारे में भी जानकारी ली जाएगी। उन्होंने कहा कि कुमाऊं मंडल विकास निगम के द्वारा ही सर्वप्रथम आदि कैलाश मानसरोवर यात्रा चलाई गई।आदि कैलाश यात्रा में ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को भेजने के लिए उन्होंने अपने महानगर स्थित जनसंपर्क कार्यालय को निर्देशित कर दिया है। निगम को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। पर्यटन के क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा ट्रैक रूट विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का भी शीघ्र समाधान किया जाएगा। दिनेश गुरुरानी द्वारा चलाए जा रहे मिशन कला पानी के तहत प्रबंध निदेशक डॉ संदीप तिवारी को एक पौधा दिया गया जो उनके द्वारा कला पानी मंदिर परिसर में लगाया जाएगा कुमाऊं मंडल विकास शिवम के प्रबंधक दिनेश गुरुरानी की पहल मिशन कालापानी व हिमालय को कूड़ा मुक्त करना के तहत आदि कैलाश यात्रा 15 वे दल के यात्रियों ने काला पानी मंदिर परिसर में पौधारोपण किया।कार्यक्रम में आईटीबीपी काला पानी के जवानों ने भी सहयोग किया। यात्रियों ने हिमालय क्षेत्र से कूड़ा लाकर धारचूला में निस्तारण किया। यात्रियों ने दिनेश गुरुरानी की पहल की सराहना करते

हुए कहा कि उनकी पर्यावरण संरक्षण के लिए कि गई पहल भविष्य में मील का पत्थर साबित हो सकती है। यात्रियों ने कहा कि यात्रा में भी पौधा रोपण करेंगे।

एक महीने में चार या उससे अधिक दिन देर से कार्यालय आने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही

कार्यालय से बाहर जाने पर क्षेत्र भ्रमण रजिस्टर में एण्ट्री आवश्यक

काशीपुर (उद संवाददाता)।आम जनता की सरकारी कार्यालयों में कार्यालय समय में अधिकारियों कर्मचारियों के गायब रहने तथा दौरों के बहाने कार्यालयों में न बैठने की शिकायतें रहती है जबकि इस सम्बन्ध में कड़ी कार्यवाही का आदेश देने वाला शासनादेश सं0 478 दिनांक 30 जून 2009 से ही लागू है। यह खुलासा सूचना अधिकार के अन्तर्गत उत्तराखंड के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) को उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने उत्तराखंड के सामान्य प्रशासन विभाग के लोक सूचना अधिकारी से सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों के मिलने के समयों आदि की सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में विभाग के लोक सूचना अधिकारी/अनुभाग अधिकारी हर दयाल बुड़ाकोटी ने अपने पत्रांक 889 दिनांक 02 जून 2023 के साथ शासनादेश संख्या 478 की सत्यापित फोटो प्रति उपलब्ध करायी गयी है। श्री नदीम को उपलब्ध 30 जून 2009 को तत्कालीन मुख्य सचिव इन्दु कुमार पाण्डे के हस्ताक्षरों से जारी शासनादेश संख्या 478 में कार्यालयों में समय से उपस्थिति के सम्बन्ध में न केवल कड़े आदेश जारी किये गये है बल्कि देर से आने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध मौखिक व लिखित चेतावनी, आकास्मिक अवकाश काटे जाने तथा अनुशासनात्मक कार्यवाही के आदेश भी दिये गये है। शासनादेश के अनुसार सभी कार्यालयाध्यक्ष प्रति दिन कार्यालय समय से पूर्व पहुंचे और अपने अधीनस्थ अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति कार्यालय में यथा समय सुनिश्चित करायें। उपस्थिति पंजिका प्रतिदिन नामित अधिकारी प्रात: 10:15 के उपस्थिति रजिस्ट्र अपने पास मंगवाकर अपनी टिप्पणी अंकित करेंगे और कार्यालय में देरी से आने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। देरी से आने वाले अधिकारी, कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही के लिये शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि महीने के में 1 दिन देर से आने पर मौखिक चेतावनी दी जायेगी, 2 दिन देर से आने पर लिखित चेतावनी दी जायेगी, 3 दिन देर से आने पर एक दिन का आकस्मिक अवकाश काटा जायेगा, 4 दिन या अधिक देरी से आने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। श्री नदीम ने बताया कि अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रभाव प्रदोन्नति, वेतन वृद्धि आदि विभिन्न सेवा सम्बन्धी मामलों में पड़ता है और दीर्घ दण्ड के अन्तर्गत कर्मचारी अधिकारी को पद से डिमोशन समय पूर्व रिटायरमेंट तथा बर्खास्तगी तक का दण्ड दिया जाता है। कार्यालय के काम से बाहर जाने व दौरों का बहाना बनाकर कार्यालय में न बैठने वाले अधिकारियों कर्मचारियों पर भी इस शासनादेश में नकेल डालने का प्रावधान किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया कि प्रत्येक कार्यालय में अनिवार्य रूप से क्षेत्र भ्रमण रजिस्टर रखा जायेगा और क्षेत्र भ्रमण मीटिंग या व्यक्तिगत कार्य से बाहर जाने वाले कर्मचारी अधिकारी के बाहर जाने की इसमें अनिवार्य रूप से प्रविष्टि की जायेगी। शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि शासनादेश के आदेशों के पालन कराने का उत्तरदायित्व विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्षों का होगा। प्रत्येक पक्ष में जिलाधिकारियों द्वारा इस सम्बन्ध में एक रिपोर्ट अपने मंतव्य सहित प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को प्रेषित की जायेगी।

मृत मिली महिला की वीडियो हुई वायरल

मकान में मृत मिले थे पति-पत्नी,भाई के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज

देहरादून। क्लेमेनटाउन क्षेत्र में मकान में मृत मिले दंपती काशिफ और अनम प्रकरण में अनम का एक वीडियो प्रसारित हो रहा है। वीडियो में महिला अपने भाई पर उसे व उसके पति को मारने की योजना का आरोप लगा रही है। इसके साथ वीडियो में महिला यह कह रही है कि उसके भाई उसे व उसके पति को मारने की तैयारी कर रहे थे। उसके पति को झूठे केस में फंसाने की तैयारी की जा रही थी। उसके भाई ने उसे बहुत परेशान किया उसे नींद की गोलियां तक खिलाई। महिला वीडियो में यह भी कह रही है कि वीडियो बनाने का उद्देश्य है कि उसकी मौत के बाद किसी को परेशान न किया जाए। बीते बुधवार को मृतक काशिफ के पिता ने काशिफ की पत्नी के भाई पर हत्या का आरोप लगाया था। अनम के भाई पर उन्हें संपत्ति को लेकर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। शिकायत पर पुलिस ने अनम के भाई के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर किया है। बीते 13 जून को क्लेमेनटाउन के टर्नर रोड स्थित एक मकान में पति-पत्नी मृत पाए गए थे। दोनों की पहचान काशिफ और उसकी पत्नी अनम निवासी नांगल, सहारनपुर के रूप में हुई थी। दंपती के बीच में उनका पांच दिन का नवजात जीवित मिला था। जबकि, दंपती के शव सड़ चुके थे, बच्चे के शरीर पर भी बैक्टीरियल संक्रमण के कारण घाव बन गए थेजानकारी के अनुसार, अनम काशिफ की दूसरी पत्नी थी। वह दून में रहकर कारोबार करता था। कुछ दिनों से काशिफ अपनी पहली पत्नी का फोन नहीं उठा रहा था। जिस पर वह सहारनपुर से देहरादून पहुंच गई। क्षेत्रवासियों की शिकायत पर पुलिस जब मौके पर पहुंची तो कमरे के एक दरवाजे पर ताला लटका था और पिछला दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस जैसे-तैसे अंदर पहुंची थी। पोस्टमार्टम में मृत्यु का कारण स्पष्ट भी नहीं हुआ था। ऐसे में शवों के बिसरा जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया गया था। अब इस घटना के एक सप्ताह बाद काशिफ के पिता मोहतशिम ने थाने में तहरीर दी।

हॉर्स ट्रेडिंग केस में नेताओं को नोटिस जारी करने के आदेश

देहरादून। वर्ष 2016 में सामने आए विधायकों की हॉर्स ट्रेडिंग केस में कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत, कांग्रेस विधायक मदन सिंह बिष्ट और स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े निर्दलीय विधायक उमेश कुमार को नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं। सीबीआई ने इन चारों नेताओं के वॉयस सैंपल लेने की अनुमति के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर कोर्ट ने नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं। विशेष न्यायाधीश सीबीआई धर्मेंद्र सिंह अधिकारी की कोर्ट में दून में इसकी सुनवाई 20 जून को हुई थी। सीबीआई की ओर से अभियोजन अधिकारी सियाराम मीना और सीबीआई इंस्पेक्टर सुशील कुमार वर्मा की ओर से कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश किया गया। जिसमें उन्होंने चारों नेताओं के वॉयस सैंपल लेने की अनुमति देने के निर्देश देने की अपील करते हुए बताया कि आठ जून को इन्हें नोटिस जारी किए गए, लेकिन अभी तक नोटिस तामिल नहीं हुए हैं। जिस पर कोर्ट ने इन्हें फिर से नोटिस जारी करने के साथ ही सीबीआई को इसकी पैरवी करने के निर्देश दिए। चार नेताओं में से दो मौजूदा विधायक हैं, जिससे कोर्ट ने दोनों विधायकों को नोटिस तामिल करने के लिए तय प्रक्रिया का पालन करने के निर्देश भी दिए। मामले में अगली सुनवाई चार जुलाई को होगी। सीबीआई ने दून शाखा के बजाए एनसीआर में यह मामला दर्ज किया था।

फोन कर भतीजा बताकर साइबर ठगों ने महिला से की दो लाख रूपये की ठगी

गदरपुर(उद संवाददाता)। साइबर ठगी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा एक ऐसा ही ताजा मामला प्रकाश में आया है जिसमें साइबर अपराधियों ने एक महिला को अपना निशाना बनाते हुए 2 लाख रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की तहकीकात शुरू कर दी। रमनप्रीत कौर ग्राम कुआंखेड़ा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीते 17.05.2023 को उसकी सास सुरजीत कौर के मोबाईल पर अज्ञात मोबाईल नम्बर से व्हट्सअप कॉल आयी। फोन कर्ता ने खुद को सुरजीत कौर का भतीजा बताते हुए कहा कि वह कनाडा से सुखप्रीत बोल रहा है। सुरजीत कौर ने उसकी बातों पर विश्वास कर लिया क्योंकि उनका भतीजा सुखप्रीत भी कनाडा में रह रहा है। फोन करने वाले ने महिला को विश्वास में लेकर कहा कि मेरे दोस्त की पत्नी की तबियत बहुत खराब है जो दिल्ली हॉस्पिटल में भर्ती है। जिसके इलाज हेतु उसे दो लाख रू० की शीघ्र आवश्यकता है। उसने महिला को कहा कि में आपको 6 लाख रू0 ट्रॉन्सफर कर रहा हूं यह आपके पास एक दो दिन में आ जायेंगे तब तक आप उसे अपने पास से ध्2 लाख रुपये दे देना। महिला को झांसे में लेने के लिए फोन कर्ता ने 06 लाख 90 हजार रू० की फर्जी स्लिप भी व्हट्सअप नम्बर पर भेज दी। रमनप्रीत कौर का कहना है कि उसने अपनी सास सुरजीत कौर का विश्वास कर अपने पंजाब नेशनल बैंक के खाते से उस अंजान व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराये गये बैंक खाते में 2 लाख रू0 आरटीजीएस के माध्यम से ट्रान्सफर कर दिये। रुपए ट्रांसफर होने के बाद फोन कर्ता बकाया धनराशि की मांग करने लगा जबकि उसके द्वारा भेजे गये रूपये खाते में नहीं आये थे। तब जाकर महिला को अपने साथ ठगी का अहसास हुआ। महिला ने पुलिस से अज्ञात साइबर अपराधी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए रुपए वापस दिलाए जाने की गुहार लगाई है। पुलिस महिला की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

अवैध रूप से रेता ढोने पर डंपर सीज

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। अवैध रूप से उपखनिज का परिवहन करने पर वन विभाग की टीम ने एक वाहन को सीज कर दिया। प्रभागीय वनाधिकारी तराई पूर्वी हल्द्वानी एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी, गौला के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत वन सुरक्षा दल प्रभारी प्रमोद सिंह बिष्ट के नेतृत्व में टीम गुरुवार को किच्छा सितारगंज मार्ग पर नियमित गश्त पर थी। टीम को शाम लगभग 04.38 बजे एक 22 टायरा ट्रक जिसमें आगे से यूपी 25 एवं वाहन के पीछे से यूपी 25 टी 46 नंबर अंकित था, बाकी नंबर मिटाया हुआ था। उक्त वाहन को टीम द्वारा जांच हेतु रोका गया। चालक ने यूपी 25डीटी-2896 की 502 कुंटल रेता की रॉयल्टी दिखाई। रॉयल्टी का मिलान वाहन से करने पर रॉयल्टी में अंकित वाहन एवं रेता लदा वाहन के रजिस्ट्रेशन में अंतर पाया गया व चेचिस नंबर भी अलग पाया गया। विभागीय टीम को वाहन व रायल्टी के मिलान मैं व्यस्त पाए जाने पर वाहन चालक, डर की वजह से वाहन को मौके पर छोड़कर भाग गया। वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में लगभग 600 कुंटल रेता लदा पाया गया। जिस पर वाहन को टीम द्वारा अपनी अभिरक्षा में लेकर विभागीय संसाधनों की सहायता से शक्तिफार्म वन चौकी परिसर में कपिल कुमार वन बीट अधिकारी बाराकोली रेंज की सुपुर्दगी में अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु सुरक्षित खड़ा करवा दिया। टीम में वन सुरक्षा दल प्रभारी प्रमोद सिंह बिष्ट, दिनेश चंद्र बुधलाकोटी, वन दरोगा, पान सिंह मेंहता,वन दरोगा, निर्मल रावत वन दरोगा , सोनू कुमार वन आरक्षी, नरेंद्र पांडे वन आरक्षी वाहन चालक चंदन सिंह मौजूद थे।

पुन: किया जाए ओबीसी जाति का वार्ड सर्वे: दिलीप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पूर्व पार्षद ने सहायक नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंप कर उनसे नगर निगम द्वारा ओबीसी जाति के गलत तरीके से किये गये सर्वे को निरस्त कर पुन: सर्वे कराने कराने की मांग की गई। दिलीप अधिकारी ने बताया कि विगत दिनों नगर निगम के स्तर से नगर निगम द्वारा वार्ड 3 ट्राजिट कैम्प का जिस चुनावी अधिकारी एवं कर्मचारी ने सर्वे किया है किसी के दबाव में आकर घर बैठे ही सर्वे कर वास्तविकता को छिपाते हुये दबाव बनाने वाले व्यक्ति की मन मुताबिक ओबीसी जाति के लोगों की संख्या अधिक दर्शाते हुये रिपोर्ट प्रेषित की है। जो कि आने वाले नगर निगम चुनावों में एक तरफ रूझान बनाने की योजना को मूर्त रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि ओबीसी जाति के लोगों की संख्या काफी कम है। उन्होंने कहा है कि इसके अतिरिक्त अन्य वार्डो में भी सर्वे मे घोर अनियमितातयें बरती गयी है। वॉर्ड संख्या 2, 7 एवं 10 में ओबीसी जाति के लोगों की संख्या अधिक है परन्तु यहाँ पर भी सर्वेयर द्वारा गलत रिपोर्ट प्रेषित की गयी है। सर्वेयर एवं उसकी टीम द्वारा इस तरह घोर अनियमितता बरत कर अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन नहीं किया है। दिलीप अधिकारी ने ओबीसी जाति के कराये गये सर्वे को निरस्त कर नए सर्वे कार्य के आदेश पारित करने तथा पूर्व सर्वे टीम के विरूद्ध जांच करा कर उनके कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा यदि सर्वे पुन: नहीं कराया गया तो आगामी नगर निगम का चुनाव निश्चित ही एक तरफ रूझान को बढ़ावा देगा जो कि जनहित एवं न्याय हित में ठीक नहीं होगा।

सीनियर सिटीजन ने लगाई पुलिस से न्याय की गुहार

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। सीनियर सिटीजन एवं राज्य आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कामरेड कुलवंत सिंह ने अपने ही पुत्र व उसके ससुरालियों पर जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए पुलिस से गुहार लगाई है। ग्राम मिलक नजीर निवासी कुलवंत सिंह पुत्र कुंदन सिंह ने थाने में दी तहरीर में कहा है कि वह सीनियर सिटीजन के साथ ही राज्य आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई है, कुलवंत सिंह का आरोप है कि मेरे पुत्र करमजीत सिंह व उसके ससुराल वालो ने मिलकर साजिश रची है, अपने ससुराल वालों के इशारे पर मेरा पुत्र आए दिन मेरे और मेरी पत्नी तथा छोटे पुत्र के साथ मारपीट व गाली गलौज जान से मारने की धमकी देता है, कामरेड कुलवंत सिंह ने थाने में दी तहरीर में अपने पुत्र और उसके ससुराल वालों से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

दो के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा

काशीपुर(उद संवाददाता)। विद्युत चोरी के आरोप में पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि मोहल्ला अल्ली खां निवासी आरिफ पुत्र जुल्फिकार तथा महादेव नगर निवासी सहाना नामक इसलिए लंबे समय से एलटी लाइन में कटिया डालकर विद्युत चोरी किया करते थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर उपरोक्त दोनों के खिलाफ धारा 135 विद्युत अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया है।

अवैध हथियार के साथ दो गिरफ्तार

गदरपुर(उद संवाददाता)। संदिग्धों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को सफलता हासिल हुई है। दो युवकों की संदिग्ध गतिविधियां देख पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों युवकों के कब्जे से पुलिस को एक एक चाकू बरामद हुआ हैं। पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया। एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी के दिशा निर्देशन एवं थानाध्यक्ष राजेश पांडे के नेतृत्व में संदिग्धों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो चाकूओ के साथ दो अभियुक्तों को दिनेशपुर रोड पर बने अंडरपास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम सौरभ कुमार पुत्र शंकरलाल निवासी वार्ड नंबर 4 थाना दिनेशपुर व अंकुर बैरागी पुत्र बुलगालिन बैरागी निवासी वार्ड नंबर 4 थाना दिनेशपुर बताया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म एक्ट के अंतर्गत अभियोग दर्ज कर लिया। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष राजेश पाण्डेय, एसआई राजेन्द्र कुमार, कानि0 दर्शन सिह आदि मौजूद थे।

वाटर प्रूफिंग
हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे- छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।
प्रो. शादाब खान
9012051994, 6399038125
आर्क होटल के पीछे, बत्रा कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

उत्तराखंड की दो बहने फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से हुईं सम्मानित

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के लिए यह गौरवशाली क्षण है। सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस) की अपर महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल स्मिता देवरानी और दक्षिणी कमान मुख्यालय ब्रिगेडियर एमएनएस अमिता देवरानी को फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वह यमकेश्वर विधानसभा के द्वारीखाल ब्लाक के डाडामंडी क्षेत्र की डुंडेख गांव की रहने वाली हैं। नगालैंड के प्रमुख सचिव पद से सेवानिवृत्त होकर दून के बसंत विहार में रह रहे मेजर जनरल स्मिता देवरानी के चाचा डा. सुरेश देवरानी ने बताया कि उनके भाई शंभूप्रसाद देवरानी की तीन संतानों में सबसे बड़ी स्मिता ने सेना में 1983 में कमीशन हासिल किया। एक अक्टूबर, 2021 को एडीजी एमएनएस का कार्यभार संभालने से पूर्व, वह

आर्मी हास्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) की प्रिंसिपल मैट्रन, ब्रिगेडियर एमएनएस मध्य कमान मुख्यालय, प्रिंसिपल मैट्रन कमांड हास्पिटल (दक्षिणी कमांड) और निदेशक एमएनएस (प्रशासन) जैसे विभिन्न प्रमुख पदों पर रहीं। वर्तमान में वह दिल्ली में तैनात हैं। उनकी छोटी बहन अमिता देवरानी ब्रिगेडियर हैं, जो वर्तमान में पुणे में कार्यरत हैं। ब्रिगेडियर अमिता 1986 में कमीशन हुई थीं। वह पुणे के सशस्त्र बल मेडिकल कालेज में कालेज आफ नर्सिंग की प्रिंसिपल, आर्मी हास्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल) कालेज आफ नर्सिंग और इंडियन नेवल हास्पिटल शिप (आइएनएचएस) अश्विनी के कालेज आफ नर्सिंग की वाइस प्रिंसिपल रह चुकी हैं। जबकि सबसे छोटी बेटी नबिता दून के एक प्रतिष्ठित स्कूल में प्रधानाचार्य हैं। वह बताते हैं कि स्मिता समेत तीनों बेटियां शुरू से ही मेधावी रहीं। दिल्ली में ही उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई। उनके परिवार से जुड़े राकेश देवरानी, जगदीश देवरानी, सुबोध देवरानी ने बताया कि दोनों बहनों की उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी है।

किराये हेतु गोदाम

नवीन सब्जी मण्डी के सामने, किच्छा रोड बगवाड़ा, रुद्रपुर में 55000 Sq. Ft का गोदाम किराये हेतु खाली है।

सम्पर्क करें- मो.9837146811

सुमित सिंह की स्मृति में 52 लोगों ने किया रक्तदान

गदरपुर(उद संवाददाता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल सिंह द्वारा अपने सुपुत्र एवं पूर्व विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष स्व.सुमित सिंह की स्मृति एवं उनके जन्मदिन पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 52 लोगों ने रक्तदान किया। गुरुवार को कंबोज धर्मशाला में युकां के पूर्व विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष स्व. सुमित सिंह की स्मृति एवं जन्म दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के संयोजक एवं युकां विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष प्रशांत सिंह ने अपनी दादी पूर्व पालिका अध्यक्ष लीलावती, के साथ संयुक्त रूप से स्व.सुमित सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। रुद्रपुर चौरिटेबल ब्लड बैंक के डायरेक्टर सत्यम शर्मा के नेतृत्व में पहुंची टीम ने 52 रक्त दाताओं के रक्त का संग्रह करने के उपरांत उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, कांग्रेस नेता अनिल सिंह, चेतन सिंह, ऋषभ कंबोज, सत्यम सिंह, नाजिम जैदी, दिनेश चौधरी में लोग मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट ने जाना सुरेश गंगवार का हाल

बरा (उद संवाददाता)। केन्द्रीय पर्यटन एवं रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने चेन्नई से सर्जरी कराकर घर लौटे जिला पंचायत अध्यक्ष के पति सुरेश गंगवार का उनके घर पहुंचकर हाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अजय भट्ट देर सुरेश गंगवार के आवास पर पहुँचे। उन्होंने लगभग दो घंटे गंगवार परिवार

के साथ बिताये । इस दौरान उन्होंने सुरेश गंगवार का हाल जानने के साथ ही राजनैतिक विषयों पर परिवार के साथ चर्चा भी की। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद गंगवार, कॉंग्रेस नेता हसीन मलिक, फिरोजपुर के पूर्व ग्राम प्रधान पति लाल खां, समाजसेवी शिव नारायण पाल, नीला सिंह तथा नसीम अहमद आदि भी मौजूद थे।

न्यूक्लोटेक रेमेडीज में सिक्स सिग्मा के छात्रों का चयन

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस द्वारा फार्मेसी विभाग का छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड रजत धवन द्वारा करवाया गया। इस प्रक्रिया में कंपनी के प्लांट हेड प्रहलाद चौहान तथा एडमिन एच.आर.हेड प्रेम शर्मा द्वारा सर्वप्रथम प्रतिभागी छात्रों को कंपनी से जुड़ी अहम जानकारी दी एवं उसके स्रोत पर्यावरण कंपनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रक्रिया में बी. फार्मेसी विभाग 2023 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से प्रतिभागी

दीपक सिंह बिष्ट, गौतम खुराना, दीपांकर मंडल का चयन हुआ। चयनित छात्रों में खुशी व हर्षोल्लास की भावना दिखाई दी। छात्रों ने संस्थान की प्रबंधन समिति प्राचार्य डॉ. विजय सिंह, रजत धवन को अपना धन्यवाद प्रकट किया। संस्थान के चेयरमैन राजेश डाबर, को चेयरमैन प्रीत ग्रोवर, प्रबंध निदेशक सी.ए. शिव अरोरा, प्रबंध निर्देशिका डॉ. सीमा अरोरा, मैनेजमेंट टीम मेंबर वंश डाबर, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्राचार्य ललित सिंह बिष्ट, सी.ए.ओ. अनुभव बाठला ने छात्रों को शुभकामनाएं दी।

गुरू माँ

GURU MAA ENTERPRISES

AC चाहिए ?

आधार लाये, उधार ले जायें...

0% BAJAJ FINSERV

UP TO 50% OFF | सबसे ज्यादा कैशबैक | 0% ब्याज मुक्त फाइनेंस | खरीदारी के दिन डिलीवरी

Guru Maa Enterprises

हल्द्वानी
तिकोनिया मो- 9837077682
चर्च कम्पाउंड मो- 9690256666
पिली कोठी मो- 9997207007

रुद्रपुर
काशीपुर बाईपास रोड मो- 9927882338, 9568869000

काशीपुर
चीमा चौराहा मो-7455045084
रामनगर रोड मो-9917161111

गदरपुर
गुरूनानक इंटरप्राईजेज पंजाबी कालोनी गली मो-9927850999

पंतनगर एयरपोर्ट से फ्लाईट्स बढ़ाने के निर्देश

केंद्रीय राज्यमंत्री भट्ट ने कहा: एयरपोर्ट विस्तारीकरण हेतु चरणबद्ध तरीके से कवायद और तेज करें

पन्तनगर(उद संवाददाता)। केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्यमंत्री एवं चौयरमेन एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी अजय भट्ट की अध्यक्षता में एयरपोर्ट एडवाइजरी समिति की बैठक एनैक्सी भवन में सम्पन्न हुई।उन्होंने कहा कि राज्य तथा केन्द्र सरकार लगातार एयरपोर्ट विस्तारीकरण के सम्बन्ध में समीक्षा कर रही है, शीघ्र ही सु:खद परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि अन्तराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एयरपोर्ट विस्तारीकरण हेतु पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पन्तनगर एयरपोर्ट की महत्ता दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पन्तनगर से विभिन्न शहरों के लिए फ्लाइटें फुल चल रही हैं और बुकिंग फुल होने के कारण उन्हें दिल्ली से पन्तनगर आने के लिए टिकट नहीं प्राप्त हो सका और रेलवे से ही दिल्ली से पन्तनगर तक का सफर तय किया। उन्होंने बताया कि पिथौरागढ़ एयरपोर्ट का चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ अनिल चौहान द्वारा भी निरीक्षण किया

गया है। उन्होंने बताया कि पन्तनगर से फ्लाइट्स बढ़ाने की कौशिश चल रही है। उन्होंने फ्लाई बिग कम्पनी द्वारा अतिशीघ्रता से देहरादून, पन्तनगर, पिथौरागढ़ के लिए फ्लाइट शुरू करने हेतु कार्यवाही करने निर्देश निदेशक पन्तनगर एयरपोर्ट को दिये। श्री भट्ट ने निर्देशित करते हुए कहा कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण हेतु सुनिश्चित प्लानिंग के तहत चरणबद्ध तरीके से कवायद और तेज करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि निचले स्तर के जो भी मुद्दे हैं, उन्हें आपसी समन्वय के साथ प्राथमिकता से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण अन्तराष्ट्रीय मानकों के आधार पर किया जाये। श्री भट्ट ने विभिन्न विषयों पर जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि योजना में एनसीसी विंग के लिए भूमि की व्यवस्था की जाये। इसके साथ ही विभिन्न महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। बैठक में प्रभारी जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण हेतु कुल भूमि 325.5126 हैक्टयेर भूमि चिन्हित है। जिसमें कृषि विभाग (सैनिक फार्म) की 24.1176 हैक्टेयर, लोक निर्माण विभाग (एनएच 109) की 14.5749 हैक्टेयर, गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फार्म की 234.4557 हैक्टेयर, सिडकुल की 18.6235 हैक्टेयर, तराई स्टेट की 4.9797 हैक्टेयर, टीडीसी की 5.9676 हैक्टेयर, जीबी पन्त यूनिवर्सिटी (भूमि श्रेणी 5-3क) की 22.7935 हैक्टेयर भूमि शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित नए एनएच निर्माण हेतु हर 100 मीटर की दूरी पर समुद्र तल से ऊंचाई तथा देशान्तरीय स्थिति का डाटा डीजीसीए के साथ साझा किया जा रहा है। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी विभिन्न स्तर पर चल रही कार्यवाही के बारे में भी विस्ताार से जानकारी दी।निदेशक पन्तनगर एयरपोर्ट ने बताया कि विस्तारीकरण से रवने की लम्बाई 3000 मीटर तथा चौड़ाई 45 मीटर हो जाएगी।बैठक में एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी के उपाध्यक्ष एवं विधायक शिव अरोरा, प्रभारी जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, कमेटी सदस्य हेमन्त लोशाली, हेमन्त नरूला, उप जिलाधिकारी एवं नोडल मनीष बिष्ट, पीडी एनएचएआई विकास मित्तल, अधिशासी अभियंता लोनिवि विनोद डोबरियाल आदि उपस्थित थे।

जनसंपर्क कर सरकार की उपलब्धियां बतायी

गूलरभोज(उद संवाददाता)। क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे के पुत्र अतुल पांडे ने महा जनसंपर्क अभियान के तहत जनता से मुलाकात कर सरकार की उपलब्धियां बतायी। उन्होंने व्यापारियों के साथ लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा भी की। साथ ही सेवा सुशासन व गरीब कल्याण को लेकर केंद्र सरकार के सफलता 9 वर्ष की उपलब्धि बताते हुए भाजपा को मजबूत बनाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि सैकड़ों ऐसी योजनाएं

हैं जिन पर लगातार मोदी सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने उपलब्धियों को बताते हुए गूलरभोज बाजार में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ व्यापक जनसंपर्क किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ कुलदीप रघुवंशी, तिलक राज गंभीर, तरुण दुबे, रमेश सागर, भूपेंद्र आर्य, गोविंद राजभर, जयंत सिंह, नंदन सिंह कोश्यारी, संजीव गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे।

शिक्षा नीति आयोग और एटीएल मिशन ने आरएएन को सर्वश्रेष्ठ विद्यालय चुना

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।आर.ए.एन. पब्लिक स्कूल द्वारा प्राप्त की गई उत्कृष्टता को देखते हुए शिक्षा आयोग और भारतीय ए.टी.एल. मिशन द्वारा विद्यालय को माह का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय चुना गया। शिक्षा नीति आयोग एक प्रमुख संगठन है जो शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करता है। भारतीय ए.टी.एल. मिशन एक प्रयास है जो विज्ञान, प्रद्यौगिकी, अभियांत्रिकी और गणित के क्षेत्र में छात्रों की रूचि को बढ़ाने के लिए स्कूलों को प्रोत्साहित करता है। इस उपलब्धि पर

प्रबंधक मोहित राय ने कहा कि यह सम्मान विद्यालय के शिक्षको एवं विद्यार्थियों के अथक प्रयास, लगन एवं मेहनत का परिणाम हैं।इस सुअवसर पर विद्यालय के संस्थापक विंग कमाण्डर एच. के. राय, प्रशासिका श्रीमती निधि राय एवं विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती भावना भनोत ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी ।

टैलेंट वर्ड टीवी शो में रेनबो स्कूल की छात्रा सिमरन का हुआ चयन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तर भारत के प्रसिद्ध टी०वी० चैनल टैलेंट वर्ड द्वारा चलाए गए कार्यक्रम मल्टीपल टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के अंतर्गत रेनबो पब्लिक स्कूल की कक्षा 12 की छात्रा सिमरन यादव का शारीरिक व्यायाम एवं योगा के फाइनल राउंड में चयन हो गया है। इस मौके पर टीवी शो की टीम ने सिमरन यादव के घर पहुंचकर सिमरन तथा उनके माता-पिता से बातचीत कर उसकी डॉक्यूमेंट्री शूट की तथा उन्होंने रेनबो पब्लिक स्कूल पहुंचकर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती पायल भारती से सिमरन यादव के बारे में जानकारी प्राप्त की प्रधानाचार्य ने बताया कि सिमरन यादव पिछले 12 वर्षों से विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रही है इसने नगर ब्लॉक जिला एवं राज्य स्तरीय विभिन्न योगा प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रबंधक संजीव कुमार ने मेधावी छात्रा सिमरन यादव के टी० वी० शो के फाइनल राउंड में पहुंचने पर हर्ष व्यक्त किया तथा सिमरन यादव एवं उनके माता पिता को बधाई दी। इस अवसर पर शो के प्रोड्यूसर बलजीत सिंह सेखो, रीजनल मैनेजर साहिल कुमार अरोरा, कैमरामैन जसवंत सिंह, रेनबो पब्लिक स्कूल की मैनेजमेंट समिति की सदस्या श्रीमती गीतांजलि मलिक, विद्यालय के उप प्रधानाचार्य संजय कुमार अग्रवाल एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित थे।

दिव्यांगों को समर्पित संस्था सक्षम ने मनाया स्थापना दिवस

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दिव्यांग जनों को समर्पित संस्था सक्षम द्वारा स्थापना दिवस समारोह का आयोजन नगर निगम सभागार में किया गया। इसमें संस्था के प्रांत अध्यक्ष ललित पंत जिला अध्यक्ष महेश चंद्र पंत,प्रांत संरक्षक ललित मोहन उपरेती, जिला संरक्षक खड़ग सिंह कार्की, मेयर रामपाल सिंह व अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का उद्घाटन मेयर रामपाल सिंह व प्रांत अध्यक्ष के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ललित

पंत ने बताया कि संस्था की शुरुआत 2014 में नागपुर महाराष्ट्र में छोटे स्तर से की गई थी जो आज समस्त भारत में पहुंच गई है संस्था का प्रमुख उद्देश्य दिव्यांग जनों की समस्याओं को दूर कर उनके जीवन को आसान बनाना है तथा संस्था द्वारा जन सहभागिता के द्वारा दिव्यांग जनों के कल्याणार्थ अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। दिव्यांग जनों के जीवन में फिर से उल्लास भरना व उनके जीवन को सरल बनाना तथा उनको हो रही असुविधाओं को दूर करना संस्था का प्रमुख कार्य है। इस मौके पर अग्रसेन हॉस्पिटल के ऑर्थो सर्जन डॉ डीके भट्ट व उमा जोशी,दीपा जोशी ,भुवन चंद्र गुणवंत,जे एस जैन ,एसके अनेजा, हरीश शाह, रविंद्र शर्मा ,लाखन सिंह ,लक्ष्मी चंद्र पंत ,शालिनी गुप्ता, शिखा त्रिपाठी, आशा मुंजाल, सुभाषिनी द्विवेदी ,रीता रानी ,शीला चौधरी ,पिंकी रानी ,अंजू मलिक , ममता मलिक ,राजन कंबोज ,व दिव्यांग जन राकेश मंडल, बादल विश्वास, बाबूराम सरकार, जतिन राय, आलोक ढाली, शांति मजूमदार, गगनदीप चौहान, पिंकी चौहान आदि उपस्थित थे।

लकड़ी तस्करों ने वन विभाग की टीम पर किया हमला

गदरपुर(उद संवाददाता)। गूलरभोज के पीपल पड़ाव रेंज में गश्त के दौरान वन कर्मियों पर लकड़ी तस्करों द्वारा किए गए हमले की शिकायत पर पुलिस ने 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज करते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी। रिपोर्ट में वन विभाग के कर्मचारियों के साथ ड्यूटी के दौरान मारपीट, अभद्र व्यवहार तथा राजकीय कार्यो में बाधा पहुंचाने का आरोप है। पीपल पड़ाव वन क्षेत्र के दरोगा भूपाल सिंह टंगडिया ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 19 जून 2023 को वन कर्मचारी अजय सिहं, बची सिंह, किशन सिहं (पी० आर०डी० जवान), पप्पू सिंह (रोपण रक्षक), कुन्दन सिहं राणा स्थानीय निवासी राजू सिंह के साथ रात्रि गश्त ड्यूटी पर थे गश्त करते हुए कट्पुलिया एंटी पेचिंग चौकी के समीप पहुँचे तो सामने से तीन मोटर साइकिलो पर प्रतिबंधित खैर की लकड़ी लादे हुए कुछ लोग आते दिखाई दिये। वन विभाग की टीम ने बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया तो मुरारी सिंह निवासी बंगाली कालौनी गुलरभोज, अजय व श्रवण निवासीगण दाई नम्बर गोलाई गुलरभोज वन विभाग के कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली गलौच करते हुए चैकिंग वैरियर तोडकर भाग गये। वन दरोगा का कहना था कि आरोपी आये दिन लकड़ी तस्करी कर वन विभाग के अधिकारी को व कर्मचारियों के साथ अभद्रता करते हुए सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाते हैं। पुलिस ने वन विभाग के दरोगा की शिकायत पर 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

लाखों की कीड़ा जड़ी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस व एसओजी टीम ने चौकिंग के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए लाखों रुपए कीमत की यारसा गम्बू कीड़ा जड़ी सहित दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार हरेंद्र चौधरी प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के नेतृत्व में अवैध तस्करी करने वालों की धरपकड़ करने हेतु थाना स्तर पर गठित की गई पुलिस टीम क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम करने हेतु चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान काठगोदाम की ओर नैनीताल रोड़ पर दो व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते दिखाई दिए। संदेह होने पर टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम पता सुबोध कुमार पुत्र स्वर्गीय रोशनलाल हाल निवासी पलटन बाजार

देहरादून मूल निवासी ग्राम गढ़ हिम्मत सिंह थाना दोवा जिला दोवा राजस्थान तथा भूपेश सिंह कोरंगा पुत्र दलीप सिंह कोरंगा निवासी बासे सुमगढ थाना कपकोट बागेश्वर बताया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से कुल 782 ग्राम यारसा गम्बू (कीड़ा जड़ी) बरामद हुई। जिसकी कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस टीम में महिला उप निरीक्षक मंजू ज्याला, कांस्टेबल प्रकाश बडाल व कॉन्स्टेबल संजीव राज तथा एसओजी टीम में हेड कांस्टेबल त्रिलोक रौतेला, कुंदन कठायत, कांस्टेबल भानु प्रताप व अशोक रावत शामिल थे।

पुलिस ने ई रिक्शा चालकों के साथ निकाली नशा मुक्ति रैली

गदरपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धम सिंह नगर के दिशा निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक महोदय काशीपुर व क्षेत्राधिकारी महोदय बाजपुर के पर्यवेक्षण में नशा मुक्ति अभियान चलाते हुए गदरपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस ने महिलाओं एवं ई रिक्शा चालकों के सहयोग से नगर के मुख्य मार्ग से हाथों में नशा मुक्ति तख्ती एवं नशा मुक्त गदरपुर के नारे लगाते हुए रैली निकाली। नशा मुक्ति अभियान के तहत रैली निकालने का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को कच्ची शराब, स्मैक, इंजेक्शन, चरस, अफीम, गांजा, डोडा आदि ड्रग्स, के दुश्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक कर रोकथाम

लगाना है। इसके लिए सभी से सहयोग करने की अपील भी की गई है। समाज में बढ रहे नशे को लेकर लोगों से भी अपील की है कि कहीं भी नशा बिक रहा है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। इस दौरान एसआई महेश चंद्र, एसआई भूपेंद्र सिंह, एएसआई राजेंद्र कुमार, कांस्टेबल जानकी, पार्वती, ज्योति, दर्शन सिंह बिष्ट, बलवंत सिंह, उमेश जोशी, गणेश प्रसाद, दीपक जोशी, मोहन भट्ट होमगार्ड दीपक शर्मा गदरपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष जय किशन अरोरा, जसपाल डोगरा, रिजवान अख्तर, तथा समाज सेवी ज्योति राज, पूनम ग्रोवर, राजबाला चौहान, सुदेश रानी, संतोष कश्यप, रेनू बिष्ट, रीना शर्मा, गीता अनेजा, ज्योति शर्मा आदि मौजूद रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

चरमपंथी संगठनों पर अंकुश

चार महीने पहले ही केंद्रीय गृहमंत्रालय ने निज्जर के संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स को आतंकवादी संगठन घोषित किया था। खालिस्तानी टाइगर फोर्स के अगुआ हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से निस्संदेह पंजाब में सक्रिय खालिस्तान समर्थक संगठनों को गहरा आघात पहुंचा है। निज्जर ने कनाडा में रहते हुए खालिस्तान के समर्थन में एक सशक्त संजाल तैयार कर रखा था, जिसके जरिए वह पंजाब में कुछ संगठनों को वित्तीय मदद, हथियार, गोला-बारूद वगैरह पहुंचाता था। उसके ही इशारे पर पंजाब में कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया गया था। कई थानों और पंजाब के खुफिया मुख्यालय पर हमला किया गया था। राष्ट्रीय जांच एजंसी ने अपनी जांचों में खुलासा किया था कि निज्जर कई हस्तियों की हत्या और बड़ी वारदातों को अंजाम देने की योजना बना रहा था। सिख फार जस्टिस को उसका खुला समर्थन था। पाकिस्तान के कुछ चरमपंथी संगठनों के भी संपर्क में था। खबरों के मुताबिक कनाडा के एक गुरद्वारे के बाहर गोली मार कर उसकी हत्या कर दी गई। जब वह अपनी कार में बैठा था, तभी मोटरसाइकिल पर दो अज्ञात युवक वहां पहुंचे और उस पर हमला कर दिया। यह व्यक्तिगत रंजिश का मामला भी हो सकता है। हालांकि यह पहला मामला नहीं है, जब कनाडा या किसी और देश में खालिस्तान समर्थक नेता की इस तरह हत्या हुई है। दो साल पहले खालिस्तान लिबरेशन फोर्स के मुखिया हरमीत सिंह उर्फ हैप्पी की भी इसी तरह गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। पिछले साल पाकिस्तान में हरविंदर रिंदा की रहस्यमय मौत हो गई। उसके कुछ महीने बाद पाकिस्तान में ही परमजीत पम्मा की गोली मार कर हत्या कर दी गई। निज्जर एक तरह से खालिस्तान आंदोलन की रीढ़ की हड्डी था। वह बब्बर खालसा को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा था। इस तरह उसने खालिस्तान समर्थक दूसरे संगठनों को भी अपने साथ जोड़ रखा था। राष्ट्रीय जांच एजंसी ने यह तथ्य भी उजागर किया था कि निज्जर के पाकिस्तानी खुफिया एजंसी आइएसआइ के साथ भी संबंध थे। इस तरह पाकिस्तान के रास्ते वह पंजाब में हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में कामयाब हो जाता था। ब्रिटिश कोलंबिया में उसने खालिस्तानी चरमपंथियों के लिए एक प्रशिक्षण शिविर भी लगाया था। पंजाब के पटियाला में उसने सत्यनारायण मंदिर के पास बम विस्फोट कराया, आठ साल पहले एक धार्मिक गुरु की हत्या की साजिश भी उसी ने रची थी। इसलिए वह लंबे समय से भारतीय जांच और सुरक्षा एजंसियों की नजर में था। राष्ट्रीय जांच एजंसी ने उस पर दस लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। चार महीने पहले ही केंद्रीय गृहमंत्रालय ने निज्जर के संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स को आतंकवादी संगठन घोषित किया था। निज्जर से पंजाब में अस्थिरता पैदा होने और भारत की अखंडता को चोट पहुंचने का खतरा था। हालांकि खालिस्तान की मांग को लेकर चले हिंसक आंदोलन की प्रासंगिकता पंजाब के लोग बहुत पहले नकार चुके थे। मगर निज्जर जैसे कुछ चरमपंथी तत्त्व दूसरे देशों में बैठ कर उस आग को फिर से हवा देने में जुटे थे। वे पंजाब के युवाओं को उकसाते आ रहे थे। सिख पंथ का झंडा उठा कर उनकी धार्मिक आस्था का दोहन कर रहे थे। अमृतपाल सिंह भी उन्हीं गुमराह लोगों में एक था, जिसने पिछले दिनों पुलिस के सामने समर्पण कर दिया। पंजाब सीमावर्ती राज्य है और चूंकि इनमें से कई संगठनों के तार पाकिस्तानी चरमपंथी संगठनों से जुड़े हुए हैं, इसलिए इनसे लगातार खतरा बना हुआ था। निज्जर की हत्या के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों के मनोबल को निश्चित रूप से चोट पहुंचेगी।

पुलिस व न्यायालयों में प्रचलित उर्दू शब्दों की प्रासंगिकता

भारतीय संस्कृति शिक्षा व भाषा पर विदेशी आक्रमणकारियों का विशेष व विपरीत प्रभाव हमेशा से रहा है तथा सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रयासों के बावजूद भी देश के कई विभागों विशेषतय: पुलिस व राजस्व जैसे महत्वपूर्ण विभागों में अभी भी कई विदेशी शब्दों का ही प्रयोग किया जाता

है। यह शब्द पुलिस की जुबान पर तो इस तरह से घर कर गए हैं कि उनसे मोह टूट ही नहीं पा रहा हैं। वास्तव में पूर्व औपनिवेशिक भारत की पहचान स्वदेशी शिक्षा प्रणाली ही थी क्योंकि देश गुलाम था तथा सभी हिन्दू व मुस्लिम एक ही भारत देश के निवासी थे तथा स्वाभाविक हैं कि हिन्दी भाषा के साथ-साथ उर्दू व फारसी भाषा का भी प्रयोग होता रहा है। अंग्रेज लोग तो केवल अपनी पाश्चात्य भाषा इंगलिश को ही बढ़ावा देना चाहते थे मगर वे भारत में पहले से बोली जा रही भाषाओं के बीच में किसी भी प्रकार की लकीर नहीं खींचना चाहते थे। इसके अतिरिक्त यह बात भी सच है कि 17 वीं शताब्दी से पहले भारत में मुस्लिम-मुगल सुल्तानों व राजाओं का ही आधिपत्य था तथा उन्होंने हिन्दी व संस्कृत जैसी भाषाओं को तरजीह न देकर उर्दू व फारसी को ही आगे बढ़ाया तथा स्कूलों-कालेजों में वर्नेकुलर भाषा का ही प्रयोग किया गया। इन शासकों ने राजस्व व पुलिस जैसे महत्वपूर्ण विभागों में केवल ऊर्दू का ही प्रयोग किया तथा हिन्दी भाषा का तो नाममात्र प्रयोग ही किया जाता रहा है। यदि देश की स्वतंत्रता से पहले का थानों में रखा हुआ रिकार्ड देखें तो पता चलता है कि पुलिस का सारा काम उर्दू भाषा में ही किया जाता था। देश की आजादी के बाद भले ही हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाने लगा मगर फिर भी पुलिस व राजस्व जैसे विभागों की प्रशासनिक भाषा के रूपांतरण की तरफ उचित ध्यान नहीं दिया गया। भारत में हिन्दी को भले ही वर्ष 1950 में प्रशासनिक भाषा का दर्जा दे दिया गया था मगर प्रथम राजभाषा आयोग, जोकि वर्ष 1955 में बनाया गया था, ने अपना प्रतिवेदन वर्ष 1956 में प्रस्तुत किया। हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं तथा इसी तरह हिन्दी दिवस 14 सितम्बर व अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी दिवस 10 जनवरी को व्यापक स्तर पर मनाया जाने लगा है। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों को भी हिन्दी का प्रयोग करने के लिए कई प्रकार के प्रोत्साहन भी दिए जाने लगे हैं मगर इन सब के बावजूद भी पुलिस विभाग में अनेकों शब्द परम्परागत ढंग से उर्दू में ही प्रयोग किए जा रहे हैं। पुलिस की कार्य प्रणालों में प्रयुक्त किए जा रहे कुछ शब्दों का विवरण इस प्रकार से है-रोजनामचा (दैनिक कार्रवाइ), देहाती नालसी (घटनास्थल), खाता (चालान न बनाना), हवाले साना (पुलिस की रवानगी का विवरण), माल वाजयाफता (जब्त माल का विवरण),मुचलका (बन्ध पत्र), जमानत (बेल प्रतिभूति),बरी होना (दोष मुक्त), हवालाती इश्तिहार (उद्घोषणा) , हिरासत(अभिरक्षा), फरियादी, (शिकायतकर्त्ता) ,मुलजिम (आरोपी), मुजरिम(दोष सिद्धि), इस्तगासा (केस पंजीकृत किए बिना की गई कार्रवाई), मुल्तवी (स्थगित करना), जिरह (बहस), इजरा अमल करना), तलवी (सूचना प्रेषित), प्यादा(सूचना देने वाला कर्मचारी),मुंशी (क्लर्क),मुंसिफ (न्यायाधीश),दरख्वास्त (निवेदन), पतारथी (अपराध को ज्ञात करने वाल, प्रयास), गुनाह (अपराध), हस्क्तलविदा (पूछताछ के लिए बुलाना), तहरीर (आवेदन),दरयाफ्त (पूछताछ),फर्द (ज्ञापन-मैमो), जैल (गांवो का समूह) इत्यादि कई ऐसे शब्द हैं जिन्हें आज की युवा पीढ़ी नहीं समझ पाती है। ब्रिटिश राज से स्वतंत्रता पाने के लिए व मुस्लिम समुदायों में जागरूकता पैदा करने के लिए मुसलमानों द्वारा इसका व्यापक प्रयोग किया गया था मगर अब देश आजाद है तथा लोगों का रूझान अन्य भाषाओं की तरफ बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में कुछ एक सुझाव इस तरह से है 1.सरकार व उच्चतम न्यायालय की तरफ से संबंधित विभागों को उचित हिदायतें होनी चाहिए ताथ इनकी पालना भी करवाई जानी चाहिए। 2. प्रशिक्षण संस्थानों में प्रचलित व सिखाए जा रहे शब्दों में परिवर्तन लाना वाहिए। 3. पुलिस अधीक्षकों को स्वयं इस संबंध में ध्यान देना चाहिए तथा अवहेलना करने वाले कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराना चाहिए। 4.थाना में तैनात मुंशियों व थाना अधिकारियों को प्राथमिकी लिखते समय हिन्दी व क्षेत्रीय शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए उचित दिशा निर्देश दिए जाने चाहिएं।

प्रस्तुति-नरेश कुमार सेठ,रूद्रपुर

तहसील स्तर पर पत्रकारों को मान्यता मिले : पांडेय

गदरपुर (उद संवाददाता)। विधायक अरविंद पांडे ने पत्रकारों के साथ पीएम मोदी के 9 वर्ष के कार्यकाल को लेकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने वर्तमान में चल रहे न्यूज पोर्टल एवं सप्ताहिक वार्षिक एवं दैनिक समाचार पत्रों से जुड़े पत्रकारों के हितों को लेकर प्रदेश सरकार से वार्ता करने की बात कही। क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे का कहना था कि पत्रकार अपनी जान को जोखिम में डालकर आंधी तूफान, धूप, गर्मी, सर्दी किसी भी मौसम में किसी भी आपदा के समय भले मार्ग दुर्घटना हो या किसी का लड़ाई झगड़ा हर वक्त तत्पर रहता है। पत्रकारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए वह

स्वयं प्रदेश सरकार से वार्ता करेंगे। उन्होंने कहा पत्रकार देश का सिर्फ चौथा स्तंभ ही नहीं है बल्कि समाज में अपनी पहचान बनाने वाला एक महत्वपूर्ण इंसान है जिसके लिए सरकार और समाज दोनों को ही समझने की आवश्यकता है।उन्होंने पत्रकारों की छोटी बड़ी समस्याओं के सम्बंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से वार्ता करने की बात कही। उन्होंने कहा उनका पूरा प्रयास रहेगा कि पत्रकारों को तहसील स्तर पर मान्यता मिले और सरकार की ओर से विशेष सुविधाएं भी उन पत्रकारों को मिल सके जो दिन-रात फील्ड में वर्क करते हैं।इस दौरान शिवम छाबड़ा, जसपाल डोगरा, मुकेश पाल, सतीश बत्रा, शाहनूर अली, सुरजीत बत्रा, राकेश अरोरा,निशांत सिंघल, विनोद डिंगड़ा, रिजवान अख्तर, गौरव बत्रा, अमर जीत सिंह, राजू चावला, मिड्डा, राकेश भड्डी, रविपाल, मेजर सिंह संधू,हरीश रहलन, राजेश सक्सेना, महेश सैनी,वीर सिंह सैनी, सुरजीत सिंह सोनू मौजूद रहे।

अतिक्रमण रोकने को लेकर डिजिटल डाटा बनाकर तैयार करने के दिये निर्देश

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने विकास भवन सभागार में विभागीय परिसंपतियों के अतिक्रमण को रोकने तथा परिसंपत्तियों से अतिक्रमण को हटाने के संबंध में सभी

विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को सरकारी भूमि को अतिक्रमण से बचाने के लिए डिजिटल डाटा शीघ्र तैयार किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि शीघ्र ही इसके लिए पोर्टल तैयार कर डिजिटल डाटा अपलोड किया जाएगा, जिसकी लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस सूची को तैयार किए जाने का उद्देश्य हर प्रकार की सरकारी भूमि को अतिक्रमण से बचाना है। उन्होंने कहा इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, अतिक्रमण होने पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई अमल में जायी जायेगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी अपनी संपत्ति का सपूर्ण ब्योरा, अतिक्रमित की गई भूमि तथा अतिक्रमण हटाए गई भूमि की संपूर्ण जानकारी निर्धारित प्रारूप में भरकर उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने अपने स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारी नामित करे, जिसके द्वारा संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के निर्देशानुसार इस कार्य को शीर्ष प्राथमिकता के साथ किया जाए।बैठक में अपर जिलाधिकारी चन्द्र सिंह इमलाल, मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, उपजिलाधिकारी हरगिरि, राजकुमार पांडे, मोनिका, परियोजना निदेशक शिल्पी पंत, पुलिस उपाधीक्षक अंकित कंडारी, जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या, मुख्य शिक्षा अधिकारी जीएस सौन, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ आर चन्द्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी अनुलेखा बिष्ट, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज बर्मन, जिला उद्यान अधिकारी आरके सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी दिनेश रावत, महाप्रबंधक उद्योग जीपी दुर्गापाल, तहसीलदार दीपिका आर्या, तितिक्षा जोशी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी भूमि की ड्रोन कैमरा से फोटोग्राफी कर बनाएं जीआईएस मैपिंग

पिथौरागढ़ (उद संवाददाता)। जनपद में सरकारी भूमि पर से अतिक्रमण हटाए जाने के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक पुलिस विभाग, जनपद के समस्त उपजिलाधिकारियो के साथ जिलाधिकारी पिथौरागढ़ रीना जोशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग ये सुनिश्चित कर लें कि उनकी भूमि कहां कहां है व उसकी जीआईएस मैपिंग करना भी सुनिश्चित कर लें। इसके अतिरिक्त उन्होंने जनपद के समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तहसीलों में ड्रोन कैमरा के माध्यम से फोटोग्राफी करते हुए फोटोग्राफ्स एकत्रित कर जीआईएस मैपिंग करना सुनिश्चित करें।उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने संबंधी शासन से भी आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं। जिसके क्रम में जनपद के ऐसे विभाग जिनमे अतिक्रमण है वे एक माह के भीतर अतिक्रमण स्थित स्थलों को

चिन्हित कर उनकी जीआईएस मैपिंग करते हुए आवश्यक फोटोग्राफ आदि को एकत्रित कर ले। ताकि इन सबका डेटाबेस तैयार करते हुए शासन की वेबसाइट में अपलोड किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि उक्त डेटाबेस तैयार किए जाने हेतु विभागीय अधिकारियों को ट्रैनिंग भी दी जायेगी। बैठक मे एसडीएम सदर अनुराग आर्य, डीडीओ रमा गोस्वामी, जीएम जिला उद्योग केंद्र कविता भगत,अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका राजदेव जायसी समेत सम्बोधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसून की बारिश आने तक वनाग्नि रोकना मुश्किल

बागेश्वर(उद संवाददाता)। सरकार,जिलाप्रशासन वन विभाग वनाग्नि रोकने के चाहे कितने भी दावे करे पर जब तक जनजागरूकता चीड़ के पिरूल के उचित दोहन की व्यवस्था नही हो जाती हैं तब तक हर साल चीड़ के जंगलों में पिरूल में आग लगने से पर्यावरण को नुकसान होता रहेगा। वनाग्नि रोकने के लिए वन विभाग लगातार प्रयास करने के दावे करता है पर सीमित संसाधनों के बीच लोगों की हठधर्मिता और पिरूल के निवारण कि उचित व्यवस्था नही होने तक प्रतिवर्ष लाखों करोड़ों की वन संपदा के नुकसान के अलावा कई बेजुबान जंगली जानवरों को वनाग्नि का शिकार होना पड़ता है,जहाँ छोटे जंगली जीव जान बचाने के लिए चीड़ के पेड़ों का सहारा लेते होंगे पर वनाग्नि की लौ में उनके लिए जिंदगी बचाना मुश्किल हो जाता है,वही वनाग्नि के चलते जंगली जीव गुलदार, चीता गाँवो की ओर आ जाते है जिस कारण लोगों को भी जंगली जानवरों का भय बने रहता है, वही 15 जून के बाद मानसून आने की संभावना थी पर जंगलों में लगी आग के कारण गर्मी का प्रकोप चरम पर है।जहां जंगलों की आग को लोग प्रतिवर्ष बारिश के बाद अच्छी घास की पैदावार की सोच के चलते जंगलों को आग के हवाले कर रहे है वही पर्यावरणीय प्रदूषण के चलते दमा स्वांस के रोगियों केअतिरिक्त नवजात शिशुओं, माताओं और आमजनमानस के लिएकितना घातक है इस ओर सभी अनजान बने हुए है।वनाग्नि से पर्यावरण चक्र प्रदूषित होने से हर किसी के स्वास्थ्य पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। वही अब जिलाधिकारी कार्यालय के समीप भी दिन दोपहर सूखे क्षेत्र में आग लगा दे रहे है। वही आग लगने से कार्यालय के पास तक आग पहुँचने लगी जिसके बाद फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई जिसके बाद एफएसओ गोपाल रावत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर भयावह हो रही आग पर काबू पाते है।

पत्नी ने शराब पीने से मना किया तो पति ने लगायी फांसी

रूद्रपुर। उधम सिंह नगर के किच्छा से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पत्नी ने पति को शराब पीने से मना किया तो पति ने गुस्से में आकर मौत को ही गले लगा लिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मृतक की पहचान प्रेम बहादुर (33) निवासी वार्ड नंबर दो सुनहरा किच्छा मूल रूप से बरहैनी बाजपुर के रूप में हुई है। प्रेम बहादुर का उसकी पत्नी रेखा से शराब पीने की बात पर विवाद हुआ था। रेखा ने प्रेम बहादुर को शराब पीने के लिए मना करते हुए चेतावनी दी थी की शराब का सेवन बंद नहीं किया तो वो अपने मायके चली जाएगी।21 जून को भी शराब पीने को लेकर दंपति के बीच विवाद हुआ। दोपहर में रेखा नाराज होकर अपने मायके जाने के लिए घर से निकल गई। रेखा के जाने के बाद उसका सात साल का बेटा पीछे से अपनी मां को मनाने के लिए गया।बेटा को देख रेखा का दिल पसीज गया और वो वापस आ गई। लेकिन तब तक प्रेम अपना कमरा बंद कर फंदे पर लटक गया था। रेखा जैसे ही घर पहुंची उसने काफी जद्दोजहद के बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा। तब तक प्रेम की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर बुधवार देर शाम ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई।

धोखाधड़ी के आरोपी दंपत्ति को कोर्ट ने किया तलब

उधारी की रकम लेकर हड़प करने का निकाला नायाब तरीका,पत्नी के नाम जारी चेक पर पति ने डाल दिया अपना अकाउंट नंबर और कर दिए हस्ताक्षर

काशीपुर(उद संवाददाता)। उधारी की रकम वापस करने के नाम पर शातिर दिमाग दंपत्ति ने लेनदार को एक ऐसा फर्जी चेक थमा दिया जो था पत्नी के नाम लेकिन उस पर अकाउंट नंबर व हस्ताक्षर पति के पाए गए। बैंक अधिकारियों ने जैसे ही हैरतअंगेज मामले का खुलासा किया पीड़ित पक्ष के पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ित युवक ने इस मामले में न्याय पाने के लिए कोतवाली से लेकर अपर पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए आरोपी दंपति के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लगाई लेकिन पुलिस के अधिकारियों ने मामले को अनसुना कर दिया। मामला न्यायालय के संज्ञान में आने पर कोर्ट ने आरोपी दंपत्ति को पूछताछ के लिए तलब कर लिया। घटना के बारे में न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर मोहल्ला खालसा जनता औषधालय के समीप निवासी संदीप सक्सेना पुत्र कृष्ण गोपाल सक्सेना ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से मोहल्ला कानूनगोयान, दादा मियां की मजार के पास कटोरातल निवासी राकेश कुमार तथा उसकी पत्नी अंशु रानी से उसकी अच्छी जान पहचान है। वर्ष 2020 के फरवरी माह में राकेश तथा उसकी पत्नी अंशु संदीप सक्सेना के पास पहुंचे। दंपति ने पारिवारिक समस्या बताते हुए एक लाख रुपए उधार मांगे। पुरानी जान पहचान होने के कारण दंपत्ति पर विश्वास कर संदीप सक्सेना ने बगैर ब्याज दंपत्ति को 80 हजार रुपए दे दिए। रकम लेते समय दंपति ने कहा कि वह एक माह के अंदर इस रकम को वापस कर देंगे। मोहलत की मियाद खत्म होने के बाद जब शिकायतकर्ता ने दंपति से उधार दिए पैसों की मांग किया तो वह टालमटोल करने लगे। थोड़ा सख्ती करने पर वर्ष 2020 की 20 मई को उक्त राकेश तथा उसकी पत्नी अंशु रानी ने आपस में एक राय होकर उधार की रकम हड़प करने की नियत से षड्यंत्र के तहत उसे ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स शाखा काशीपुर का एक 80 हजार का एक चेक थमा दिया और कहा कि अपने खाते में लगा दो भुगतान हो जाएगा। इस दौरान जब संदीप सक्सेना ने उक्त चेक को कारपोरेशन बैंक के अपने खाते में लगाया तो बैंक अधिकारियों ने जो जानकारी दी इससे उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। बैंक अधिकारियों ने बताया कि खाते में लगाया गया चेक अंशु रानी के नाम है जबकि उस पर अकाउंट नंबर उसके पति के बैंक खाते का दर्ज है। मजे की बात है कि कूट रचित चेक पर पति ने हस्ताक्षर भी खुद कर दिए। धोखाधड़ी का यह मामला प्रकाश में आने पर शिकायतकर्ता ने कोतवाली पुलिस को मामले की लिखित सूचना देते हुए आरोपी दंपत्ति के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लगाई लेकिन पुलिस ने प्रकरण को अनसुना कर दिया। तदुपरांत अपर पुलिस अधीक्षक को भी मामले से अवगत कराते हुए पीड़ित पक्ष ने न्याय की मांग की लेकिन पुलिस के अधिकारी ने भी इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं की। प्रकरण न्यायालय के संज्ञान में आने पर कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए आरोपी दंपत्ति को पूछताछ के लिए न्यायालय में तलब किया है।

परीक्षाफल सुधार परीक्षा आवदेन तिथि बढ़ाने के लिए सौंपा ज्ञापन

रामनगर (उद संवाददाता)।राजकीय शिक्षक संघ के एक शिष्टमंडल ने पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रामसिंह चौहान के नेतृत्व में परीक्षाफल सुधार परीक्षा 2023 आवदेन तिथि बढ़ाने हेतु सचिव उत्तराखंड शिक्षा परिषद डा. नीता तिवारी को एक ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने डा. तिवारी को बताया कि वर्तमान में परीक्षाफल सुधार परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि 5 जुलाई रखी गई है।1जुलाई को सभी विद्यालय खुलेंगे, 2 को रविवार है, ऐसे में आवेदन करने वाले बच्चों को बहुत कम समय मिल पा रहा है इसलिए अंतिम आवेदन की तिथि को कम से कम एक सप्ताह बढ़ा कर अंतिम तिथि को 12 जुलाई कर दिया जाय।बोर्ड सचिव डा तिवारी ने शिष्टमंडल को आश्वस्त किया कि वे इस बाबत बोर्ड सभापति शिक्षा निदेशक जी से राय ले छात्र हित में फैसला निर्गत किया जाएगा।इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष रामसिंह चौहान,पूर्व मंडलीय मंत्री नवेंदु मठपाल, जनपद देहरादून के अध्यक्ष कुलदीप कंडारी , जनपद रुद्रप्रयाग के मंत्री आलोक रौथाण, अंकित रौथाण ,आनंद रावत मौजूद रहे।

पूर्व कुलसचिव पर वाहन कब्जाने का आरोप

उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय का वाहन एक साल से गायब

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्व विद्यालय की बोलेरो एक साल से भी अधिक समय से गायब है। आरोप है कि इसे अवैध तरीके से पूर्व कुलसचिव ने कब्जा रखा है। लेकिन पुलिस एक साल बीतने के बाद भी उक्त वाहन को बरामद करना तो दूर मामले में रिपोर्ट दर्ज करने में भी दिलचस्पी नहीं दिखा रही। मामले में वर्तमान कुलपति प्रोफेसर सुनील कुमार जोशी की ओर से पुलिस को पुन: वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया है कि विश्वविद्यालय का बोलेरो वाहन संख्या- यू० के०- 07 जी०ए०-1062 (बोलेरो), विगत एक वर्ष से भी अधिक समय से विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर हर्रावाला, देहरादून से गायब है। कई महीनो से इसकी शिकायत बार-बार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व कोतवाली डोईवाला व पुलिस चौकी, हर्रावाला को की जा रही है। लेकिन सम्बंधित अधिकारियों द्वारा अभी तक मामले में एफआईआर तक दर्ज नहीं की गयी है। पूर्व में विश्वविद्यालय के पूर्व प्रभारी कुलसचिव डा० राजेश कुमार ने भी इस प्रकरण में पुलिस चौकी और कोतवाली डोईवाला को शिकायत की गयी थी। आरोप है कि पूर्व कुलसचिव डा० मृत्युंजय कुमार मिश्रा द्वारा कूटरचित दस्तावेज बनाकर जबरन वाहन को अपने कब्जे में रखा गया है। यह वाहन विश्वविद्यालय स्तर पर कभी भी डा० मृत्युंजय कुमार मिश्रा को आबंटित नहीं किया गया है। वाहन शासकीय वाहन विश्वविद्यालय की संपति है। वाहन को अनाधिकृत रूप से कब्जाने से विश्वविद्यालय को लगातार वित्तीय क्षति हो रही है। कुलपति ने मामले में कानूनी कार्रवाई करते हुए वाहन को तुरंत बरामद करने की मांग की है। पूर्व में भी इसी तरह कई बार पुलिस के अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद मामले में पुलिस ने वाहन को बरामद करना तो दूर अभी तक रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की है। जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हल्दूचौड़ राजकीय चिकित्सालय खोलने को किया प्रदर्शन

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। हल्दूचौड़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग को लेकर समाजसेवी हेमन्त गोनिया के नेतृत्व में लोगों ने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य महानिदेशक आदि को शिकायती पत्र प्रेषित किया। जिसमें कहा गया है कि कुआं हल्दूचौड़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना हुआ है। जिस पर सरकार द्वारा 8 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। जो मूर्ति बन कर खड़ा है। जिस पर विभाग द्वारा ताले लगा दिए गए हैं। यह अस्पताल जनता के लिए कब खुलेगा कोई पता नहीं। बिल्डिंग को बने हुए 9 महीना हो गया है। स्वास्थ्य विभाग को यह बिल्डिंग ट्रांसफर हो चुकी है। 30 बेड का अस्पताल जनता को समर्पित हो चुका है। प्रदर्शन करने वालों में गोबिंद बल्लभ भट्ट, गायत्री जोशी, दीपा जोशी, लक्ष्मी गुणवंत, हेमा पांडे, दया भट्ट, माया जोशी, गीता देवी, आनंदी देवी, गंगा भट्ट, पूजा भट्ट, ग्राम प्रधान मीना भट्ट, जिला पंचायत सदस्य कमलेश चंदोला, रुकमणी, ग्राम प्रधान संगठन अध्यक्ष, ग्राम प्रधान दीपा बिष्ट,गोविंद बल्लभ भट्ट, मोहन चंद्र भट्ट, सुरेश चंदोला, श्री धारियाल जी, पवन कुमार, आशीष नियोलिया, नंदन तिवारी, गौतम भट्ट, जगदीश जोशी, कविता, सिमा, सोनाली, लक्की, रोहित जोशी आदि शामिल थे।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मेयर रामपाल सिंह के नेतृत्व में भाजपाईयों ने बूथ संख्या 56 वार्ड संख्या 6 जगतपुरा में डा. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये और उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मेयर रामपाल सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, शिक्षाविद, चिंतक और जनसंघ के संस्थापक थे। वे मानवता के उपासक एवं सिद्धांतवादी थे। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पहले व्यक्ति थे जिन्होंने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा दिए जाने के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। डॉ. मुखर्जी देश के प्रथम उद्योग मंत्री थे। राष्ट्रीय हितों की प्रतिबद्धता को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानने के कारण उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। बहुत कम उम्र में वे कलकत्ता विश्व विद्यालय के कुल पति बन गए थे। डॉ. मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उन्होंने 1951 में भारतीय जन संघ की नींव रखी। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। वह समाज के लिए आदर्श पुरूष थे। देश के लिए उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। डॉ मुखर्जी जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उन्हीं के विचारों से प्रेरित होकर केन्द्र की मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से 370 हटाने के साथ ही इसे अलग राज्य का दर्जा देकर उनके सपनों को साकार किया है। डा. मुखर्जी के आदर्शों से आज समाज को प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस अवसर पर पार्षद निमित्त शर्मा,मंडल महामंत्री राधेश शर्मा, शंकर विश्वास,दीपक राय,नेमचंद प्रजापति, पप्पू प्रजापति, उषा रानी,हरिश्चंद्र गाईन, मीरा पद सरदार, प्रदीप सरकार,चंदन प्रजापति, श्यामपद मंडल, सुशांत गोलदार, गोपाल रंग, लकीकांत विश्वास,अमूल्य साना, अमूल गोलदार,फुलझड़ी देवी,रवि सरकार, विपुल स्वर्णकार, बाबूराम प्रजापति, नित्यानंद,विश्वास उदय सरकार, पूजा मंडल,उषा मंडल आदि लोग उपस्थित रहे।

पत्रकार दिनेश लोहनी के निधन पर जताया शोक

रूद्रपुर। नैनीताल के वरिष्ठ पत्रकार दामोदर लोहनी के बड़े भाई पत्रकार दिनेश लोहनी के आकस्मिक निधन पर पत्रकार प्रेस परिषद ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। शोक व्यक्त करते हुए पत्रकार प्रेस परिषद के कुमांऊ प्रभारी अशोक गुलाटी ने कहा कि पत्रकार दिनेश लोहनी एक कर्मठ और नेक दिल इनसान थे उनके निधन से समाज को बड़ी क्षति पहुंची है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पत्रकार प्रेस परिषद लोहनी परिवार के साथ खड़ा है। शोक व्यक्त करने वालों में जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र तनेजा, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र गिरधर, परमपाल सुखीजा, जगदीश चन्द्र, प्रमोद धींगड़ा, अजय अनेजा, गोपाल भारती, गोपाल गौतम, अमन सिंह, गोपाल शर्मा, मुकेश कुमार, दीपक कुकरेजा, नरेन्द्र सिंह, महेन्द्र गाबा आदि भी शामिल हैं।

पेज एक का शेष...

लोन मिला नहीं ...अधिकारी कर्मचारी टाल मटोल करते रहे। पीड़ित के अनुसार 19 जून को को जब वह पुन: फाईनेंस कंपनी के कार्यालय पहुंचा तो उसे बताया गया कि अभी लोन की फाईल में औपचारिकतायें शेष हैं और औपचारिकतायें पूरी कराने लिए 10 प्रतिशत सुविधा शुल्क की मांग की गयी। सुविधा शुल्क देने से मना किया और दिये गये सभी कागजात चेक आदि वापस मांगे गये तो तो उक्त लोग आग बबूला हो गये और जान से मारने की धमकी देने लगे यही नहीं उक्त लोगों ने जबरन उसे बैंक से धक्के देकर बाहर निकाल दिया। पीड़ित ने बताया कि उसे हैरानी तब हुयी जब उसे कंपनी के ही कर्मचारी ने बताया कि तुम्हारी किश्त शुरू हो चुकी है। जबकि ऋण की रकम अभी तक उसे प्राप्त भी नहीं हुयी है। पीड़ित ने तहरीर में कहा है कि उसके साथ धोखाधड़ी की गयी है। उसने मामले में कानूनी कार्रवाई की गुहार लगायी है। मामले में पुलिस को तहरीर देने के चार दिन बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जिससे पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

घुसपैठ की कोशिश...सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर मोर्चा लगाया था। इस दौरान रात एक बजे देखा गया कि पांच आतंकी घुसपैठ कर इस पार दाखिल होने की कोशिश कर रहे हैं। सीमा में आने पर आर्तकियों को ललकारा गया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई से एक एक कर आतंकी मार गिराए गए। वहीं, 13 जून को माच्छिल सेक्टर में दो पाकिस्तानी आतंकी ढेर किए गए थे।

लाखों की लिप्टिस...तैनात दैनिक श्रमिक बलविंदर सिंह को तत्काल प्रभाव से हटाने की कार्रवाई की गई है तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई हैं। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूछताछ में तस्करों ने अपना नाम मोहम्मद अली एवं धर्मेंद्र सिंह बताया जो कि दोनों ही जसपुर जिला उधम सिंह नगर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज कर दोनो वाहन एवं लकड़ी को कब्जे में लेकर आरोपियों को कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की गई है। तथा यह भी जांच की जा रही है कि यह लकड़ी कहां से काटकर लाई गई थी।

बलिदान दिवस पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया नमन

भाजपा कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। जनसंघ के संस्थापक सदस्य डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर विधायक शिव अरोरा ने नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किये। विधायक शिव अरोरा ने कहा डॉ श्यामा प्रसाद जिनके इतने बड़े संघर्ष के बाद आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी जिसको भारतीय जनता पार्टी के नाम से जाना जाता है। यह उनके अथक परिश्रम और त्याग का परिणाम है। हम राष्ट्र प्रेम सेवा समर्पण के भाव के साथ पूरे देश मे हमारी पार्टी के करोड़ो कार्यकर्ता देश सेवा के कार्य मे लगे हैं। विधायक बोले यह डॉ श्यामा मुखर्जी के बलिदान के कारण ही कश्मीर भारत का अभिन्न अंग कहलाया और वर्तमान में मोदी सरकार ने धारा 370 को समाप्त करने का भी कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल पूरे होने पर आज पूरे देश मे श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को मना रही है वह हम सभी करोड़ो कार्यकताओ के प्रेरणा के पुंज है उनका बलिदान देश कभी भुला नही सकता। इस दौरान मेयर रामपाल, जिला महामंत्री अमित नारंग, यशपाल घई, वेद ठुकराल, धीरेश गुप्ता, धीरेंद्र मिश्रा, विनय बत्रा, धर्म सिंह, शाहखान, मयंक कक्कड़, गजेंद्र प्रजापति, विवेक सक्सेना, राधेश शर्मा, सुनील ठुकराल, सुरेश शर्मा, मदन दिवाकर, जगदीश विश्वास, आयुष चिलाना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

Live Healthy... Live Nature...
Live in Kashi Garden

CONSTRUCTING HAPPINESS

RERA APPROVED PROJECT
UKREP05230000497

काशी गार्डन

आवासीय प्लॉट एवं विला

- रेरा एप्रूव्ड कॉलोनी
- 40 एवं 30 फीट की सड़कें
- 4 पार्क
- गेट बंद कॉलोनी
- सीव्रेज व्यवस्था
- ए-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर
- 90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा

साईट ऑफिस - शिमला पिस्तौर, डीपीएस स्कूल के पास, रुद्रपुर

86504-18000